प्राजेक्ट नक्शा

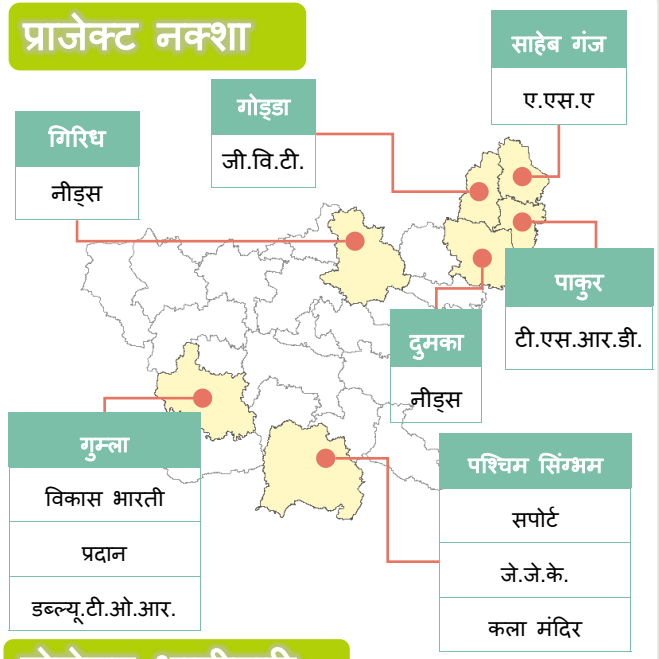

प्रोजेक्ट भागीदारी

ग्राम पंचायत
प्रोजेक्ट कार्यान्वयन एजेंसी (पी.आई.ए.)

महिला एस.एच.जी. (SHG)
और उनके संघठन- लोगों को संघठित करना और आजीविका वृद्धी की योजना बनाना

नागरिक समाज संघठन (CSOs)
ग्राम पंचायतों को सहगोग देना - समुदाय को संघठित करना, क्षमता-वृद्धि करना, डी.पी.आर. तैयार करना और फील्ड स्तर पर तकनीकी सहयोग प्रदान करना

ब्लाक और ज़िला समन्वय समितियां
समुदाय की भागीदारी से बनी हुई योजनाओं को मनरेगा में शामिल करना और उनके कार्यान्वयन को सुनिश्चित करना, एवं सभी सम्बंधित विभागों को सम्मिलित करना

मनरेगा कमिश्नर/ ग्रामीण विकास विभाग
नीतियों का विकास, प्रोजेक्ट आउटपुट की निगरानी एवं समीक्षा, समस्या का समाधान एवं ज़िला प्रशासन के साथ संपर्क

राज्य प्रोजेक्ट प्रबंधन यूनिट (SPMU)
प्रोजेक्ट प्रबंधन एवं क्षमता-वृद्धि, ज़िला प्रशासन के साथ संपर्क, मनरेगा विभाग के साथ समन्वय

बी.आर.एल.एफ. (BRLF) और डब्ल्यू. एच.एच (WHH)
फंडिंग सहयोग, नागरिक समाज संघठनों के साथ प्रोजेक्ट की निगरानी

मुख्य केन्द्रित विषय

- झारखंड के सबसे पिछड़े एवं संसाधन-हीन इलाकों पर केन्द्रित
- मनरेगा के कुशल संचालन के लिए ग्राम पंचायतों को और ज़्यादा सक्षम बनाना
- समुदाय को एकजुट कर योजनाओं में उनकी भागीदारी सुनिक्षित करना एवं उन्हें सामुदायिक कार्यों के लिए प्रेरित करना
- मौजूदा सामुदायिक संस्थाओं को और मज़बूत बनाना
- निरंतर प्रभाव के लिए जलछाजन (वाटरशेड) का विस्तृत उपचार
- कृषि-पारिस्थितिकी का पुनःप्रवर्तन
- बेहतर आजीविक के लिए सुयोजित संमिलन

प्रोजेक्ट अवधि

4 साल (जनवरी 1, 2021 से प्रारंभ)

झारखंड हाई इम्पैक्ट मेगा वाटरशेड परियोजना

जीवी दा: हासा

जीवन | जल | ज़मीन

उच्चतम प्रभाव के लिए योजनाबद्ध समन्वय

Rural Development Department Government of Jharkhand

BRLF Bharat Rural Livelihoods Foundation (BRLF)

Welthungerhilfe

WASSAN State Project Management Unit (SPMU)

MGNREGA Ministry of Rural Development Government of India

spmu@jiwidaahhasa.in | www.jiwidaahhasa.in

लक्ष्य

- एक (1) लाख छोटे और सीमान्त किसानों की आमदानी को दुगना करना
- कृषि पारिस्थिति की का पुनर्जनन
- सुरक्षित आजीविका एवं जलवायु लचीलापन

उद्देश्य

- विस्तृत जलछाजन (वाटरशेड) पद्धति से, चुने हुए 24 ब्लॉक्स के ऊपरी हिस्सों में 3.9 लाख हेक्टेयर ज़मीन का जीर्णोद्धार
- 1.5 लाख हेक्टेयर ज़मीन में फसल सघनता को बेहतर करना
- 4000 पंचायती, सामुदायिक एवं नागरिक समाज संगठनों के सीमावर्ती कार्यकर्ताओं की क्षमता और ज्ञान में वृद्धी

प्रोजेक्ट के कार्य और गतिविधियाँ

मिट्टी की नमी का स्वस्थाने (in-situ) संरक्षण

बारिश के पानी का स्वस्थाने संचयन ताकि लम्बे समय तक मिट्टी की नमी बनी रहे।

जल संचयन

जल अपवाह को छोटे तलबों में जमा करना ताकि नमी फैले और सूखा पड़ने के समय इस जल का उपयोग किया जा सके।

भूमि का विकास

मिट्टी के कटाव पर लगाम लगाना, एवं मिट्टी परिच्छेदिका (soil profile) को बेहतर बनाना ताकि उसकी नमी बनी रहे।

जैव ईंधन की सघनता को बढ़ाना

पंचायती और सामूहिक चरागाह भूमि का पुनर्जनन। निजी भूमि में जैव ईंधन की मात्रा को बढ़ाना ।

नालों का पुनः प्रवर्तन

वर्षा काल में अतिरिक्त जल अपवाह को सुरक्षित रूप से नालों में छोड़ना। नालों का पुनः प्रवर्तन और उनके मूल प्रवाह में वृद्धि, इसी के साथ पारम्परिक सिंचाई पद्धतियों का पुनः प्रवर्तन।

पशु पालन और मछली पालन सहित एकीकृत खेती को बढ़ावा देना

सामूहिक और निजी भूमि में चारा उत्पादन, पशुशाला का निर्माण एवं तालाबों में मछली पालन को बढ़ाना

कृषि और बाग़वानी का विकास

खेती एवं बाग़वानी में फ़सल की विविधता को बढ़ाकर कृषि पारिस्थितिकी का पुनर्जनन, फ़सल सघनता को बढ़ाना और भूमि उपयोग में बदलाव लाना,
उचित कृषि सिधांतों के माध्यम से भूमि में जैविक पदार्थ को बढ़ाना और
रसायन-रहित कीट-नाशी प्रबंधन करना;
संचित जल का सही तरीक़े से उपयोग करना।

अपेक्षित प्रभाव

50%
जल के अपवाह में गिरावट

1.7 लाख हेक्टेयर असिंचित भूमि को सिंचित भूमि में बदलना

70%
फंड्स- मनरेगा के खर्चे से NRM (प्राकृतिक संसाधन) सम्बंधित संपत्ति का निर्माण

60%
पानी की उपलब्धता बढ़ाना

50%
भूमि में कृषि की सघनता और विविधता को बढ़ाना

1000 *PRIs*
4000
पंचायिती संस्थाए और
फील्ड कार्यकर्तायों की क्षमता एवं ज्ञान में वृद्धि